रजनीश काकाडे © ए.पी.-डब्ल्यू डब्ल्यू पी.

दाएं: मुंबई में गैरसरकारी संगठन सेल्फ़ इम्प्लॉइड वीमेन्स एसोसिएशन के सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान मुस्कराती सेक्रेटरी ऑफ़ स्टेट हिलेरी क्लिंटन (बीच में)।

बढ़ती अमेरिका-भारत भागीदारी

© ए.पी.-डब्ल्यू डब्ल्यू पी./भारत सरकार फोटो डिवीज़न/पी. एम. मीणा

दाएं सामने: सेक्रेटरी ऑफ़ स्टेट हिलेरी क्लिंटन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के साथ।

मुरलाक कुरेशी © ए.पी. डब्ल्यू डब्ल्यू पी.

दाएं नीचे: सेक्रेटरी क्लिंटन और भारत के विदेश मंत्री एस. एम. कृष्णा विज्ञान एवं तकनीकी निधि समझौते पर हस्ताक्षर के बाद दस्तावेजों का आदान-प्रदान करते हुए।

मुंबई और नई दिल्ली की अपनी तीन दिन की यात्रा के दौरान सेक्रेटरी ऑफ़ स्टेट हिलेरी रोडहैम क्लिंटन ने भारत के विदेश मंत्री एस. एम. कृष्णा से मुलाकात की। 20 जुलाई को जारी किए गए संयुक्त वक्तव्य में अमेरिका-भारत सामरिक भागीदारी को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई गई है जो हमारे समय की चुनौतियों का हल तलाश सके। इस दस्तावेज़ में निम्न समझौते शामिल थे:

- सेक्रेटरी क्लिंटन और विदेश मंत्री कृष्णा वाशिंगटन, डी.सी. या नई दिल्ली में साल में एक बार मिलकर भारत-अमेरिका सामरिक वार्ता की अगुआई करेंगे जिसमें बहुत तरह के मुद्दों पर फोकस होगा।
- आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हाल के बढ़ते समन्वय को दोनों देश और आगे बढ़ाएंगे।
- अमेरिका में बने रक्षा उत्पादों के अंतिम तौर पर इस्तेमाल के मामले में मॉनिटरिंग का समझौता।
- परमाणु आतंकवाद को रोकने के क्षेत्र में सहयोग स्थापित करने और वैश्विक परमाणु हथियार प्रसार चुनौती से निपटने के लिए उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बातचीत पर रजामंदी।
- अमेरिका और भारत शांतिपूर्ण परमाणु सहयोग समझौते के तहत रिप्रोसेसिंग प्रबंधन और प्रक्रियाओं पर आपसी सलाह करेंगे।
- द्विपक्षीय निवेश समझौते पर अगस्त में बातचीत होगी।
- अमेरिका और भारत ने विज्ञान और तकनीकी निधि समझौता किया है और तकनीकी सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जिससे भारत के अंतरिक्ष प्रक्षेपण यानों से ऐसे नागरिक उपग्रह या गैर व्यापारिक उपग्रह छोड़े जा सकेंगे जिनमें अमेरिकी उपकरण हों।
- नैनो टेक्नोलॉजी, नागरिक परमाणु प्रौद्योगिकी, नागरिक उड्डयन और रक्षा व्यापार के नए साझा दिलचस्पी वाले क्षेत्रों पर फोकस करने के लिए कार्य दल गठित किए जाएंगे।
- सौर एवं अन्य नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ कोयला और ऊर्जा क्षमता समेत कई क्षेत्रों में तब्दीली लाने वाली और नवाचारी प्रौद्योगिकी के विकास, इस्तेमाल और हस्तांतरण में मदद के लिए दोनों सरकारें द्विपक्षीय वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग शुरू करेंगीं।
- दोनों देश महिला सशक्तिकरण फोरम का विकास करेंगे जिससे कि महिला सशक्तिकरण और विकास के बारे में अपने अनुभव और श्रेष्ठ पद्धतियों का आदान-प्रदान कर सकें और दक्षिण एशिया और उससे आगे के क्षेत्र में महिलाओं के सशक्तिकरण के तरीकों पर विचार कर सकें।